प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर में देश का ७१वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

पंतनगर। १६ अगस्त, २०१७। पंतनगर विश्वविद्यालय में देश का ७१वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. जे. कुमार, ने प्रातः ९:०० बजे गांधी मैदान में तिरंगा फहराया तथा उपस्थित शिक्षाकों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को देश की सेवा के लिए संकल्प दिलाया। उन्होंने असंख्य शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद किया, जिनके बलिदानों की नींव पर हमारा भारत स्वतंत्र रूप से खड़ा है। उन्होंने विश्वविद्यालय में पूर्व में कार्यरत अग्रजों का भी स्मरण किया, जिनके प्रयासों से विश्वविद्यालय आज उत्कर्ष पर है।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में डा. जे. कुमार ने पिछले लगभग सात माह में विश्वविद्यालय को प्राप्त विभिन्न अवार्डों एवं पुरस्कारों के बारे में जानकारी दी। इन पुरस्कारों में हाल ही में राजभवन, उत्तराखण्ड में आयोजित टापर्स कॉनक्लेव में पंतनगर विश्वविद्यालय की अंजली जोशी को सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के रूप में पुरस्कृत करने के अतिरिक्त विश्वविद्यालय को लगातार दूसरी बार उत्तराखण्ड का सर्वोत्तम विश्वविद्यालय का अवार्ड, जेआरएफ में दो वर्गों में द्वितीय पुरस्कार, कामधेनु अवार्ड, बीज एवं विभिन्न शोध केन्द्रों को प्राप्त अवार्ड तथा विश्वविद्यालय के शिक्षाकों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को प्राप्त विभिन्न अवार्ड सम्मिलित थे। इसके लिए उन्होंने सभी को बधाई दी तथा आगे भी और मेहनत के साथ कार्य करते हुए विश्वविद्यालय को नयी ऊंचाईयों तक पहुंचाने का आह्वान किया। कुलपति ने विभिन्न महाविद्यालयों एवं अन्य इकायों में पिछले सात माह में प्राप्त विशेष उपलब्धियों की भी चर्चा की।

अपने प्रेरणाप्रद सम्बोधन में कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के सभी कार्मिक अपने पूर्ण सामर्थ्य के साथ विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने में सहयोग कर रहे हैं। इसके बावजूद भी आईसीएआर की रैंकिंग में हम कुछ पीछे रह गये हैं, जिसकी वजह ढूंढनी होंगी, साथ ही और अधिक मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष शिक्षाकों, प्रशिक्षाण एवं सेवायोजन निदेशालय तथा विद्यार्थियों के संयुक्त प्रयास से जेआरएफ परीक्षा में चारों वर्गों में प्रथम स्थान पाने का प्रयास करना होगा तथा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों द्वारा पेटेंट की संख्या बढ़ानी होगी।

डा. जे. कुमार ने उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों की कृषि को अधिक लाभकारी बनाने हेतु नयी तकनीकों के विकास एवं उनको किसानों तक शीघ्रता से पहुंचाने के लिए भी कहा। उन्होंने बताया कि इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए विश्वविद्यालय अपने शोध में नये आयाम जोड़ने की प्रक्रिया में है तथा तीन नये शोध केन्द्र यथा, जैविक खेती शोध केन्द्र, उच्च-तकनीक औद्यानिकी शोध केन्द्र एवं कृषि-खाद्य उत्पाद प्रसंस्करण केन्द्र सम्मलित हैं, जो उत्तराखण्ड को जैविक खेती, औद्यानिकी एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के क्षेत्र में अग्रणी बनाने में योगदान देंगे।

अपने सम्बोधन के अन्त में डा. जे. कुमार ने सभी परिसरवासियों एवं विद्यार्थियों से परिसर को स्वच्छ बनाये रखने में सहयोग देने एवं इसे हरा-भरा बनाने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण किये जाने का आग्रह किया। उन्होंने अपने भाषण का समापन तीन बार 'भारत माता की जय' के नारे के साथ किया, जिसको उपस्थित जनों ने पूरे उत्साह के साथ दोहराया।

पंतनगर विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस पर विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य को सम्बोधित करते कुलपति, डा. जे. कुमार।